भूकंप त्रासदी:16 को पाकिस्तान जाएंगे आईआईटी वैज्ञानिक

कानपुर। भारत-पाक क्रिकेट शृंखला के दौरान दोस्ती की तमाम बातों के बीच भारतीय वैज्ञानिक पाकिस्तान को भूकंप से निपटने की राह दिखाएंगे। इसकी कमान नगर के आईआईटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने संभाली है।

इस समय पाकिस्तान मे भारतीय क्रिकेट टीम की मौजूदगी से दोनों देशों के बीच 'क्रिकेट डिप्लोमेसी' का दौर चल रहा है। इसी दौरान 16 जनवरी को इस्लामाबाद मे जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ पाकिस्तान की पहल पर अंतर्राष्ट्रीय भूकंप कार्यशाला हो रही है।

कार्यशाला मे भारत से आईआईटी कानपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षक व भूकंप विशेषज्ञ डॉ.एसके जैन को न्यौता दिया गया है। बीते आठ अक्टूबर को मुजफ्फराबाद को केंद्र बनाकर आए जिस भूकंप से इस्लामाबाद से लेकर भारत के जम्मू-कश्मीर तक खासी क्षति हुई थी, कार्यशाला मे इन सभी मुद्दों पर विचार विमर्श होगा। माना जा रहा है कि 26 जनवरी 2001 को आए लातूर भूकंप के बाद जिस तरह भारतीय वैज्ञानिकों ने न सिर्फ पुनर्वास के सार्थक उपाय किये बल्कि भविष्य मे भूकंप से निपटने के लिए पूरी आचार संहिता तक सुझाई, पाकिस्तान के वैज्ञानिक इसे महत्वपूर्ण मान रहे है।

डॉ.जैन के मुताबिक वे इस्लामाबाद मे आईआईटी का प्रतिनिधित्व करते हुए कार्यशाला मे प्रस्तुत अपने शोध पत्र मे भारतीय उपमहाद्वीप मे भूकंप के कारणों व उनसे निपटने के तरीकों पर प्रकाश डालेंगे। फिलहाल उन्हे इस्लामाबाद जाने की अनुमति मिली है, किन्तु उनकी कोशिश है कि उन्हे भूकंप प्रभावित क्षेत्र मुजफ्फराबाद जाने का अवसर भी मिले।

[Friday, January 13, 2006 2:18:12 AM]